THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS (SHRI P. C. SETHI): (a) A feasibility report on the modernisation scheme of Sindri Fertilizer Factory has been received from the Fertilizer Corporation of India and is under consideration of Government.

(b) According to the feasibility report the project is to be completed within 42 months from the date on which Government approvals in regard to foreign exchange, DGTD clearance, etc. are given.

(c) The feasibility report envisages additional production of 1,70,000 tonnes of nitrogen on the completion of the Project. This will be in the form of 40,000 tonnes of addititional ammonium sulphate and 3,79,000 tonnes of additional urea.

Proposed visit of William Rogers, U. S. Secretary of State Re. supply of arms to Pakistan

5185. SHRI DEVINDER SINGH GARCHA: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state: whether Government have received any formal communication from United States regarding the impending visit to India of the U. S. Secretary of State, Mr. William Rogers, for explaining his country's attitude on the supplies of arms to Pakistan?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI SURENDRA PAL SINGH): No, Sir.

डा० भगवान दास मेमोरियल ट्रस्ट, लाजपत नगर, नई दिल्ली

5186. **श्री प्रम्बेश**: क्या **स्वास्थ्य और परिवार नियोजन** मन्त्री डा० भगवान दास मेमोरियल ट्रस्ट, लाजपत नगर, नई दिल्ली के बारे में 17-11-69 के अतारांकित प्रश्न संख्या 146 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने इस बीच उपर्युक्त प्रश्न के भाग (ख), (ग) और (घ) में मांगी गई जानकारी एकत्र कर ली है ; और

(ख) यदि नहीं, तो उपर्युक्त जानकारी कब तक एकत्र कर ली जायेगी ?

स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मन्त्रालय में राज्य मन्त्री (श्री डो० पी० चट्टोपाध्याय) : (क) और (ख). दिल्ली प्रशासन से मांगी गई अपेक्षित सूचना की अभी भी प्रतीक्षा की जा रही है । इस मामले को शीघ्र निपटाने के लिए कार्यवाही की जा रही है ।

मध्यम प्रदेश में टीकों का निर्माण

5187. **श्री हुकम चन्द कछवाय** : क्या **पेट्रोलियम और रसायन** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या थजलेरिया और अनेप्लासमा जैसे बहुत से टीके जो ढोर की चिकित्सा में काम आते हैं विदेशों से आयात किए जाते हैं ;

(ख) गत दो वर्षों में इन टीकों का आयात किन किन देशों से किया गया था और उनके आयात पर सरकार ने कितनी विदेशी मुद्रा खर्च की थी ;

(ग) क्या मध्य प्रदेश के विभिन्न भागों में इस प्रकार के टीका के निर्माण के लिए अनुकूल स्थान है ;

(घ) क्या सरकार ने चौथी पंचवर्षीय योजना में उनके उत्पादन का कोई लक्ष्य निर्धारित किया है ; और

(ङ) क्या सरकार का विचार मध्य प्रदेश के ग्वालियर डिवीजन में इन टीकों का उत्पादन प्रारम्भ करने का है ?

पेट्रोलियम और रसायन मंत्री (श्री पी० सी० सेठी) : (क) और (ख). विदेशी पशुओं की रक्षा करने के लिए थेलारीओसिस एवं एनप्लाज्योसिस आदि बिमारियों में काम आने वाले टीकों की केवल थोड़ी सी मात्राओं का विदेशों से आयात किया गया है अथवा वे उन में उपहार के रूप में प्राप्त हुए । किन्तु पिछले 2 वर्षों में थेलीरोओसिस नामक बिमारी में काम आने वाले किसी टीके का आयात नहीं किया गया । अमेरिका से विदेशी मुद्रा में